* P B G - 0 0 1 - 0 0 1 3 1 0 2 *

PBG-001-0013102 Seat No. _____

B. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

November / December - 2018

Hindi : Paper - 5

(Hindi ka Nari Chetna Sampan Kavya : Kitne Prashn Karu)

(Optional) (Elective - II) (Old Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 0013102

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

१ भाव पक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

१ खण्डकाव्य के तत्वों के आधार पर 'कितने प्रश्न करूँ' खण्ड काव्य की समीक्षा कीजिए । १४

२ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्ड काव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १४

अथवा

२ 'कितने प्रश्न करूँ' शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट करते हुए 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए । १४

३ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य में ममता कालिया द्वारा निरूपित नारी विमर्श को स्पष्ट कीजिए । १४

अथवा

३ ''रामकथा और काव्य को मैं इतिहास नहीं मानती मैं इसे एक अनुपम आख्यान मानती हूँ ।'' विधान के आधार पर 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का इतिहास बोध स्पष्ट कीजिए । १४

४ सीता का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

४ पठित खण्डकाव्य के आधार पर मर्यादा पुरूषोत्तम राम की चारित्रिक विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए । १४

५ टिप्पणी लिखे : (कोई भी **दो**) १४

(१) ममता कालिया का साहित्यिक परिचय दीजिए ।

(२) 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का उद्देश्य ।

(३) 'कितने प्रश्न करूँ' के आधार पर पुरूष की राजनैतिक मानसिकता को स्पष्ट कीजिए ।

(४) 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की भाषा–शैली ।